स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

शिक्षा

जन-जागरूकता

महिला आत्मनिर्भरता

प्रभारी की कलम से.....

'उन्नत भारत अभियान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को समृद्ध करने हेतु शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित एक प्रमुख कार्यक्रम है। ग्रामीण क्षेत्रों को विकासोन्मुख और समृद्ध करने हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं को इस योजना से जोड़ा गया है, जिसका समन्वय आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित सभी उच्च शिक्षण संस्थानों और उन्नत भारत अभियान योजना से संबद्ध संस्थानों के माध्यम से पिछड़े ग्राम पंचायतों को अपने संज्ञान में लेकर, उनके ग्राम और विशेषज्ञता का प्रयोग कर, ग्राम पंचायतों में होने वाली कमी और आने वाली सभी समस्याओं को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। एक ओर जहां नगरीय क्षेत्र शिक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता एंव रोजगार आदि जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से परिपूर्ण थे वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे। अतः शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य इस अंतराल को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने उपरोक्त उद्देश्यों हेतु यह योजना लागू की। अपने–अपने क्षेत्र के सामाजिक–सांस्कृतिक परम्पराओं का संरक्षण एंव संवर्धन शिक्षण संस्थाओं का नैसर्गिक धर्म है। आर्थिक स्वावलंबन, जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक सांस्कृतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है। महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही अपने इस उत्तरदायित्व का निर्वहन अत्यंत संवेदनशीलता एवं सजगता के साथ करता आ रहा है। इस उत्तर दायित्व के अन्तर्गत महाविद्यालय का प्रत्येक विभाग परिसर के आस–पास स्थित गांवों में से किसी एक गांव को गोद लेकर वहां की मूलभूत आवश्यकता जैसे– शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार, कौशल विकास, सरकारी योजनाओं से परिचय एवं उनके लाभ के प्रति जागरूक करना, महिला आत्मनिर्भरता इत्यादि स्तरों पर अपने दायित्व का निर्वहन करता आ रहा है। उन्नत भारत अभियान की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात महाविद्यालय के कुछ विभागों द्वारा अधिग्रहित गांवों का सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना बनाकर गांवों में व्यापक स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। इन प्रयासों में बी.एड्. विभाग द्वारा ग्राम मंझरियां, अंग्रेजी विभाग द्वारा ककरहियां, हिन्दी विभाग द्वारा बड़ी रेतवहियां, प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा छोटी रेतवहियां तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा हसनगंज गांव को गोद लिया गया है। उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत अधिग्रहित पांच गांवों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक उन्नति हेतु अहर्निश प्रयत्न गोद लिए गांवों के विकासात्मक अभियान में मील का पत्थर साबित होगा ऐसा हमें आशा एवं पूर्ण विश्वास है।

उपरोक्त गांवों को गोद लेने वाले विभागों ने निर्धारित कार्ययोजना के साथ गोद लिए गए गांवों को विकासोन्मुख करने का अपना कर्तव्य इस सत्र में प्रारंभ किया जिनमें से कुछ क्रियाकलापों की झलकियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं–

कविता मन्ध्यान
प्रभारी, उन्नत भारत अभियान
महाराणा प्रताप महाविद्यालय,
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही स्वच्छता एंव स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश निरंतर गांवों में दिया जाता रहा है चाहे वह सामान्य दौर रहा हो या वैश्विक महामारी कोविड–19 का समय। वैश्विक महामारी कोविड–19 जब अपने चरम पर थी, संपूर्ण विश्व के चिकित्सीय संसाधन विफल थे ऐसे में तत्कालीन समय में भी, बचाव के प्राप्त सुझाव, एवं संदेशा अर्थात् दो गज की दूरी, सैनिटाइजर का प्रयोग, हाथों को बार–बार धोना, मास्क का प्रयोग इत्यादि को गांव में पहुंचाया गया। इसी क्रम में महाविद्यालय ने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति एवं समाज सेवा की भावना का परिचय देते हुए महाविद्यालय की प्रयोगशाला में न सिर्फ डब्लू.एच.ओ. के मानक अुनसार सैनिटाइजर का निर्माण कराया अपितु विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के सहयोग से बड़ी संख्या में मास्क निर्मित कराकर उन्हें गांवों में निःशुल्क वितरित करवाया तथा वैक्सीन उपलब्ध होने पर वैक्सीन लगवाने हेतु लोगों को जागरूक करने के साथ–साथ महाविद्यालय में वैक्सीन शिविर का आयोजन भी किया गया। स्वास्थ्य रक्षा, स्वच्छता के महत्व के प्रति समय–समच पर जन जागरूकता रैली तथा श्रमदान के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया जाता है और इसी का परिणाम है की गोद लिए गए पांचों गांव ककरहियां, हसनगंज, बड़ी रेतवहिया, छोटी रेतवहिया और मंझरिया खुलें में शौच मुक्त घोषित हो चुके हैं। समय–समय पर महाविद्यालय इन पांच गांवों में बाबा राघवदास मेडिकल कालेज, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय तथा पी.एच.सी चरगावां के चिकित्सकों के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी व्याख्यान तथा निःशुल्क चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन कर ग्रामवासियों को निःशुल्क दवा वितरित करता रहा है। ग्रामवासियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उन्हें स्वास्थ्य रक्षा एंव स्वस्थ्य जीवन हेतु महाविद्यालय सदैव प्रेरित करता रहता है। वैक्सीनेशन के उपरांत एक बार पुनः निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन आरंभ किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत योग कार्यक्रम

21 जून, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आनलाइन योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के जीवनव्रती कार्यकर्ता **श्री अश्वनी जी** ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कहा कि योग शरीर के साथ–साथ मन, बुद्धि, चित्त एवं आत्मा को साधने को प्रभावी साधन है। योग से कार्यक्षमता एवं कार्यदक्षता का परिष्करण होता है। योग इस सृष्टि में व्यष्टि को समष्टि से जोड़ने वाला सेतु है। कदाचित इसी महत्ता को ध्यान में रखते हुए भगवान कृष्ण ने श्रीमद्‌भगवत गीता में **'योगः कर्मसु कौशलम'** का उपदेश दिया था। योग एवं प्राणायाम के उल्लेखों से भारतीय साहित्य कोष भरे पड़े है। ऋग्वेद से लेकर महाभारत तक तथा पंतजलि से लेकर आदिगुरू गोरखनाथ ने योग की व्यायकता को समाज में स्थापित किया। योग का मूल सिद्धान्त ही जोड़ना है। योग मानव जीवन के अन्तिम लक्ष्य अर्थात् मोक्ष (ईश्वर प्राप्ति) की प्राप्ति का मार्ग है। उन्होंने आगे कहा कि यदि हम उत्तम स्वास्थ्य, निरोगी काया और दीर्घायु प्राप्त करना है तो हमे अपने दैनिक दिनचर्या को नियमित एवं संयमित करना ही होगा। यह योग के माध्यम से ही सम्भव है। योग मनुष्य ही बर्हिमुखी इन्द्रियों को अन्तर्मुखी बनाता है। योग से हमारा चिंतन सकारात्मक होता है। हम सभी को अपने जीवन में योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाना चाहिए। इस अवसर प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता **श्री विनय कुमार सिंह** ने कपालभांति, भ्रामरी, अनुलोम, विलोम, भ्रस्तिका, सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, शशकासन, मण्डुकासन, मकरासन, पवनमुक्तासन आदि का भी अभ्यास कराया। कार्यक्रम में जूम एप और कालेज के फेसबुक पेज पर जुड़कर सैकड़ो लोगो ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का संयोजन प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने आभार ज्ञापन किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
21 जून, 2021 ई.
योगाभ्यास कार्यक्रम
-: आयोजक :-
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

21 जून, 2021 ई.
योगाभ्यास कार्यक्रम
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

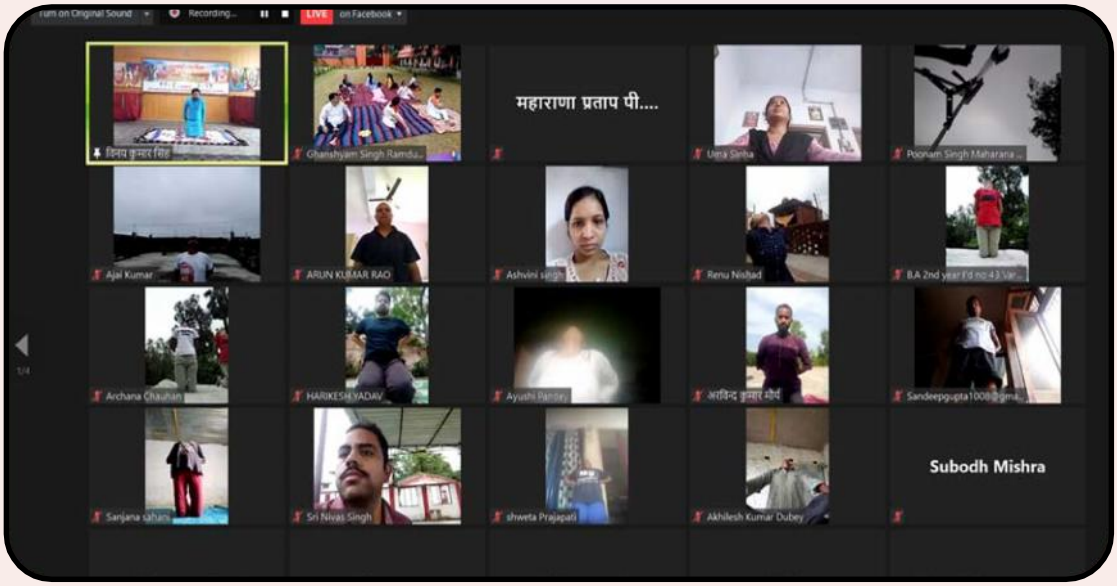
महाराणा प्रताप पी....
Subodh Mishra

फिट इंडिया फ्रीडम रन

13 अगस्त, 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंर्तगत महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा फिट इण्डिया फ्रीडम रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित यह कार्यक्रम देश के युवाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की अनूठी पहल है जिसके द्वारा समाज का हर एक वर्ग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रह सकता है। जिससे वह समाज को विकास के रास्ते पर ले जा सकता है। उन्होने कहा कि जब तक युवा वर्ग पूरी तरीके से स्वस्थ्य नही होगा, तब तक वह कोई भी कार्य निपुणता के साथ नही कर सकता है। निश्चित रूप से देश का युवा इस कार्यक्रम से प्रेरित होकर सशक्त भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाईयों के स्वयंसेवक व शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** का **उद्घाटन कार्यक्रम** सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर छात्राओं को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के विषय में जानकारी देते हुए गृह–विज्ञान विभाग की प्रवक्ता **सुश्री स्मिता दूबे** ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के इतिहास के बारे में बताते हुए इस अभियान के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा छात्राओं को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के दौरान होन वाले साप्ताहिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने छात्राओं को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक किया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का उपयोग उन लोगों को जागरूक करने के लिए किया जाता है, जो पोषण सम्बन्धी तथ्यों से अवगत नही हैं और ज्ञान के अभाव में कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की सभी प्राध्यापिकाएँ एवं छात्राएँ व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर **सुश्री शारदा रानी** ने किया तथा कार्यक्रम के संयोजक के रूप में **सुश्री रितिका त्रिपाठी** ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक मनाए जानें वाले **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत आयोजित **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के दूसरे दिन फोर्टिफाइड फूड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न प्रकार के फोर्टिफाइड व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई और उन व्यंजनों को बनाने की विधियों और उनके पोषक मूल्यों से सभी को अवगत कराया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक तथा भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसी स्वच्छ एवं स्वस्थ प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राएं उचित पोषण के प्रति जागरूक होकर स्वयं अपने परिवार तथा समाज के स्वास्थ्य हित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं द्वारा छात्राओं का प्रायोगिक एवं व्यवहारिक ज्ञान बढ़ता है तथा उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है जिससे वो स्वस्थ्य समाज के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करेंगी। कार्यक्रम में निर्णायक मण्डल के रूप में भूगोल विभाग के अध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** एवं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में विभाग की सभी छात्राएं एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम

स्थान बी.ए. द्वितीय वर्ष की **दिव्या गुप्ता,** द्वितीय स्थान बी.ए. द्वितीय वर्ष की **शान्ति मौर्या** एवं तृतीय स्थान बी.ए. द्वितीय वर्ष की **अंजली तिवारी** ने प्राप्त किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष की **खूशबू निषाद** एवं एम. ए. अंतिम वर्ष की **शालू सिंह** को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता **सुश्री शारदा रानी** ने सभी शिक्षकों का आभार ज्ञापन करते हुए समस्त प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया। कार्यक्रम का संचालन गृहविज्ञान विभाग सहायक आचार्य **डॉ. नेहा कौशिक** तथा संयोजन **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने किया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का तीसरा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक मनाए जानें वाले **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत आयोजित **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के तीसरे दिन ''**कुपोषण मुक्त भारत**'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गंगोत्री देवी महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष **डॉ. अर्चना तिवारी** ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत में **01 से 06 वर्ष** के लगभग 60 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं, जिनको सुपोषित करना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने भारत में कुपोषण की वर्तमान स्थिति को बताते हुए कुपोषण के लक्षणों, इससे बचने के उपायों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने आगे कहा कि कुपोषण से बचाव के लिए प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों के लिए अलग–अलग आहारों की व्यवस्था है। व्यक्ति के शारीरिक विकास के दौर में अलग–अलग आयु वर्ग के दौरान अलग–अलग पोषण आहारो की आवश्यकता होती है। व्याख्यान के अन्त में छात्राओं के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर देते हुए मुख्य वक्ता नें शरीर में रक्त

की महत्ता एवं कार्य के बारे में भी बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने कहा कि कुपोषण जैसी गम्भीर समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए बालिकाओं को शिक्षित और सुपोषित होना जरूरी है, तभी वह आगे चलकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करने में सक्षम हो सकेंगी। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री शारदा रानी ने** तथा संयोजन **सुश्री रीतिका त्रिपाठी** ने किया। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की सभी छात्राएं व राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी स्वयंसेविकाएं एवं महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का चौथा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना व गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के **चौथे दिन 'एनीमिया मुक्त भारत'** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मन्दिर महिला महाविद्यालय के गृह–विज्ञान विभाग की अध्यक्ष **डॉ. कनक मिश्रा** ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि एनीमिया अत्यन्त ही व्यापक रूप से प्रचलित भारतीय रोगों में से एक है। इस बीमारी में व्यक्ति की लाल रक्त कणिकाएँ सामान्य से कम हो जाती है, जिसके कारण खून के द्वारा शरीर के विभिन्न अंगो तक ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता कम हो जाती है, परिणामस्वरूप कई स्वास्थ्य समास्याएँ पैदा होती है। उन्होंने छात्राओं को बताया कि यह रोग सभी आयु के व्यक्तियो को होता है, परन्तु गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माता, शिशु तथा बच्चे इस रोग के शिकार बड़ी शीघ्रता से हो जाते है। उन्होंने एनीमिया के रोकथाम और उपचार के बारे में बताया तथा विशेष रूप से भोजन में प्रोटीन, लौह तत्व, विटामिन B12, फोलिक एसिड आदि को सम्मिलित करने के लिए कहा। कार्यक्रम के समापन पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उपस्थित **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन करते हुए समस्त उपस्थित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री रीतिका त्रिपाठी** ने तथा संयोजन **सुश्री स्मिता दूबे** ने किया। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की सभी छात्राएँ व राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी स्वयंसेविकाएं महाविद्यालय के सहायक आचार्य **डॉ. नेहा कौशिक, डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** एवं **सुश्री शारदा रानी** कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल उपस्थित रहे।

गृह विज्ञान विभाग
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
दिनांक 01 से 07 सितम्बर 2021

गृह विज्ञान विभाग
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
दिनांक 01 से 07 सितम्बर 2021

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का पांचवां दिन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना व गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान के सप्तदिवसीय कार्यशाला के पांचवें दिन स्वास्थ्य सम्बधित विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री शारदा रानी** ने कहा कि अगर हमें स्वस्थ्य समाज का निर्माण करना है तो हमें बच्चों को सही खान–पान की व्यवस्था करनी होगी। अगर हम ऐसा नही कर सके तो हम विभिन्न प्रकार के बीमारियों से ग्रसित हो जायेंगे जिसके बाद हम स्वस्थ्य समाज का निर्माण नही कर सकेंगे। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग के सभी छात्राएं व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का छठा दिन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के **छठे दिन 'राष्ट्रीय औषधीय उद्यान कार्यक्रम'** के तहत महाविद्यालय परिसर में औषधीय पौधों का रोपण करवाया गया जिसके अन्तर्गत छात्राओं ने तुलसी, नीम, पुदीना, अदरक, एलोवेरा, गिलोय, करीपत्ता, आंवला, ब्राह्मी, भृंगराज, लेमनग्रास आदि के पौधे एवं बीजों का रोपण किया। इस अवसर पर **भाषण प्रतियोगिता** का भी आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधो के आयुर्वेदिक गुणों से सभी को परिचित कराया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गृह–विज्ञान विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने कहा कि कोरोना काल में औषधीय पौधों का महत्व बढ़ गया है जो कि मानव शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदतगार साबित हुआ है। भाषण प्रतियोगिता में गृह विज्ञान व राष्ट्रीय सेवा योजना की 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान **अंकिता दूबे** (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान **दिव्या गुप्ता** (बी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान **कृति गौड़** (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में विभाग की सहायक आचार्य **सुश्री स्मिता दूबे, सुश्री रीतिका त्रिपाठी** एवं **सुश्री शारदा रानी** ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान की **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने तथा संयोजन **डॉ. नेहा कौशिक** ने किया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान सप्तदिवसीय कार्यशाला का समापन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अभियान** के अन्तर्गत **सप्त दिवसीय कार्याशाला** के **समापन** अवसर पर **'सही पोषण–देश रोशन'** विषय पर **कविता–पाठ प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया, जिसके तहत छात्राओं द्वारा पोषण एवं स्वास्थ्य पर कविताएं सुनायी गई। कविता–पाठ प्रतियोगिता में गृह विज्ञान की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान **निशा विश्वकर्मा** (बी.ए. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान **अम्बिका सिंह** (एम.ए. द्वितीय वर्ष) तथा तृतीय स्थान **कृति गौंड** (बी.ए. तृतीय वर्ष) और सांत्वना पुरस्कार **पिंकी सिंह** (बी.ए. तृतीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल के रूप में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष **डॉ. आरती सिंह,** भूगोल विभाग की सहायक आचार्य **डॉ. नीलम गुप्ता** एवं गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य **डॉ. नेहा कौशिक** ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सप्त दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। विभाग प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने निर्णायक मण्डल के सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापन करते हुए छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन **सुश्री शारदा रानी** तथा संयोजन **डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव** ने किया। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की सेविकाएं उपस्थित रही।

गृह विज्ञान विभाग
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
दिनांक 01 से 07 सितम्बर 2021
सही पोषण देश रोशन कविता प्रतियोगिता

सप्ताहिक योग कार्यशाला

27 नवम्बर, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला स्वयंसेवकों ने योग प्राणायाम के विभिन्न आसनो को सीखा। योगकार्यशाला में योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल** ने अनुलोम–विलोम, कपालभांति, भ्रस्तिका, भ्रामरी, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

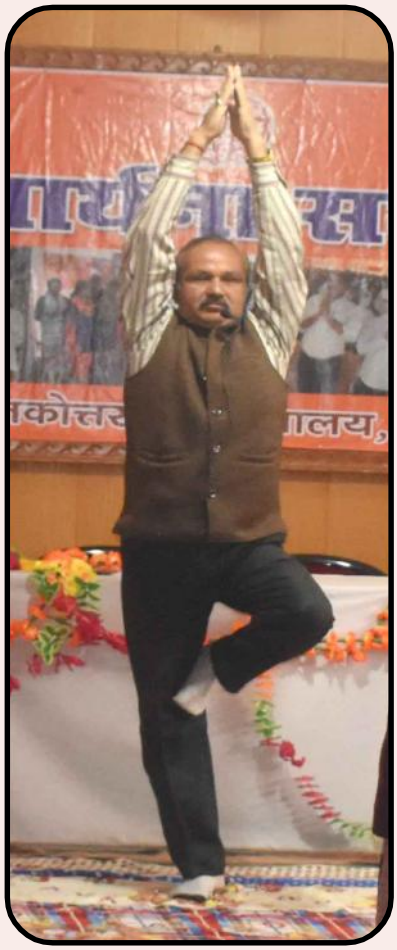

विश्व एड्स दिवस

01 दिसम्बर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में एड्स निवारण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से अभिग्रहित गांव तक जनजागरण रैली निकाली गई। इस रैली में स्वयं सेवकों ने तख्ती, बैनर, पोस्टर के माध्यम से गांव वालों को एड्स जैसी घातक बिमारी से बचाव के लिए जागरूक करने का प्रयास किया। साथ ही इस बिमारी से सम्बन्धित भ्रान्तियों को भी दूर भगाने एवं संक्रमण के माध्यम के सन्दर्भ में जन जागरूकता फैलाने का कार्य किया। स्वयंसेवकों ने एड्स से बचाव के विभिन्न उपायों (जैसे संक्रमित सुई का प्रयोग न करना, असुरक्षित यौन सम्बन्ध ा न बनाना इत्यादि) को ग्रामवासियों को बताया। स्वयंसेवकों द्वारा इस अवसर पर गांव में एड्स से बचाव पर एक नुक्कड़–नाटक प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने नुक्कड़–नाटक के माध्यम से बताया कि जागरूकता के अभाव में एड्स जैसे गम्भीर बीमारी भयानक रूप ले रही है। अगर व्यक्ति थोड़ा जागरूक और सचेत हो जाय तो इस भयंकर बीमारी से बचा जा सकता है और विश्व समुदाय को भी इससे बचाया जा सकता है। रैली एवं जनजागरूकता अभियान के पूर्व एक परिचर्चा का कार्यक्रम आयोजित कर स्वयंसेवको को एड्स से बचाव के उपयों कों अधिक लोगो तक पहुंचाने का आवह्न किया गया। परिचर्चा में स्वयंसेवक की 10–10 सदस्यों की टोलियों द्वारा अपने टोली की तरफ से विचार रखे गये। इस अभियान में महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह एवं श्री बृजभूषण लाल** उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वयंसेवकों के द्वारा अभिगृहित ग्राम म श्रमदान भी किया गया।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

02 दिसम्बर 2021 को आयोजित **राष्ट्रीय प्रदूषण नियत्रण दिवस** के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **"औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियत्रण"** विषय पर विशिष्ट व्याख्या कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य औद्योगिक आपदा के प्रबन्धन और नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलाना तथा प्रदूषण रोकने के लिए प्रयास करना था। कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवको को उद्योगों के कारण बढ़ रहे वायु, जल, मृदा, ध्वनि प्रदूषण एवं औद्योगिक आपदाओं के प्रति सचेत एवं जागरूक किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भूगोल विभाग की आचार्य **डॉ. शालू श्रीवास्तव** ने अपने उद्बोधन में कहा कि "आज का युग विज्ञान का युग है" विज्ञान ने जहां एक ओर मनुष्य क लिए सुख–सुविधाओं के साधन जुटाएं है और अनेक समस्याओं का समाधान किया है, वही दूसरी ओर इन आविष्कारों द्वारा अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई है। आज के औद्योगिक युग में संयन्त्रों, मोटर वाहनों कल कारखानों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है। विभिन्न आविष्कारों के कारण हमारी पूरी धरती का वातावरण दूषित हो गया है। इन उद्योगों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ एवं रसायनों से जल, वायु एवं मृदा प्रदूषित हो रही है, जिससे पेड़ पौधे, जीव–जन्तु मनुष्य पर घातक प्रभाव पड़ रहा है। प्रदूषण के कारण विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों में वृद्धि हो रही है। **भोपाल**

गैस त्रासदी विश्व की भीषण औद्योगिक आपदाओं में से एक है जहां **1984 में 2/3 दिसम्बर** की रात भोपाल शहर में स्थित **यूनियन कार्बाइड** के रसायनिक संयत्र से जहरीला रसायन जिसे मिथाइल **आइसोसाइनेट (एम.आई.सी)** के रूप में जाना जाता है के साथ–साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हजारो लोगों की मृत्यु हो गयी थी। इसे पूरे विश्व इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। आज विश्व समुदाय को भविष्य में इस प्रकार की औद्योगिक आपदा न हो इसके लिए सचेत, जागरूक एवं गम्भीर निवारण उपायों की आवश्यकता है। विश्व समुदाय द्वारा प्रदूषण रोकने के लिए नीति नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ जागरूकता के प्रयास किये जाएं। औद्योगिक उन्नति एवं प्रगति की सार्थकता इसी में है कि मनुष्य सुखी, स्वस्थ एवं सम्पन्न बने रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रकृति को सहज रूप से अपना कार्य करने का अवसर दिया जाय। कार्यक्रम में स्वयंसेवक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, बृजेश कुमार चौहान, राहुल यादव, रितेश सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन **श्री बृजभूषण लाल** ने किया एवं आभार ज्ञापन **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया।

योगाभ्यास

18 दिसम्बर, 2021 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मिशन शक्ति के तत्वावधान में योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विषय के प्रभारी **डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल** के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकायें उपस्थित रहीं।

स्वैच्छिक श्रमदान

22 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय के परम्परा के अनुसार स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से सप्ताहिक **स्वैच्छिक श्रमदान** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वैच्छिक श्रमदान प्रत्येक शनिवार को 12:10 से 01:10 तक संचालित होता है। जिसमें सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं महाविद्यालय के प्राचार्य शिक्षक तथा उनके द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थी पूर्व निर्धारित कार्यस्थल पर श्रमदान करते है।

यह स्वैच्छिक श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं तथा कार्यक्रम अधिकारी के लिए अनिवार्य होता है। शेष महाविद्यालय के शिक्षक–विद्यार्थी के स्वेच्छा पर आधारित होता है। यह कार्यक्रम 01.10 मिनट तक चलता है। उसके बाद सभी स्वयं सेविकायें स्वैच्छिक श्रमदान में प्रयोग होने वाले उपकरणों को यथास्थान पर रखते है। पांच मिनट के विश्राम के पश्चात शैक्षिक गतिविधियां संचालित होती है। स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम की रूपरेखा में एक ईकाई में 100 स्वयं सेवक होती हैं, जिसमें 10–10 का समूह बना है। प्रत्येक समूह के साथ एक–एक शिक्षिका भी होती है स्वैच्छिक श्रमदान समूह की सूची बनती है और यह सूची राष्ट्रीय सेवा योजना के सूचना पट्ट पर एक दिन पहले चस्पा कर दी जाती है। इस सूची में 10 स्वयंसेविका का नाम, स्थान तथा समय निर्धारित होता है। इस तरह से साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान संचालित होता है।

कोविड–19 टीकाकरण शिविर

14 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना** एवं महाविद्यालय में संचालित मंहत अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में **कोविड–19 टीकाकरण शिविर** का आयोजन किया गया शिविर में महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में टीकाकरण कराया। महाविद्यालय के सन्निकट एवं विभिन्न विभागों द्वारा अधिग्रहीत गांव **मंझरियां, तिनकोनिया, हसनगंज, जंगल धूसड़, रेतवहिया, ककरहियाँ** आदि के स्थानीय निवासियों नें भी टीकाकरण शिविर में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस टीकाकरण शिविर के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि कोविड–19 महामारी से बचाव के लिए टीकाकरण ही मूल उपाय है। टीकाकरण से ही शरीर में प्रतिरक्षण क्षमता का विकास होता है और प्रभावित व्यक्ति पर सम्बन्धित महामारी का प्रभाव न्यूनतम होता है। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरगाँवा के स्वास्थ्य पर्यवेक्षक **श्री राकेश पाठक** एवं उनके सहयोगी **श्री श्वेता सिंह (ए.एन.एम.)**, एवं आशा कार्यकत्रियों के सहयोग से सफलतापूर्वक टीकाकरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अन्त में चरगाँवा स्वास्थ्य केन्द्र की टीम के प्रति राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने आभार ज्ञापित किया।

14.01.2022
वैक्सीनेशन
कैम्प

14.01.2022
वैक्सीनेशन
कैम्प

ग्राम मंझरियां में चिकित्सा शिविर

15 जनवरी को ग्राम मंझरियां में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र मिश्र एवं उनकी टीम के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 194 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा एवं परामर्श दिया गया।

ग्राम हसनगंज में चिकित्सा शिविर

अधिग्रहित ग्राम हसनगंज 04 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना ने गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र मिश्रा एवं टीम के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामवासियों को शुगर, बी.पी. वजन आदि की जांच कर 170 योगियों के निःशुल्क दवा एवं चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

ग्राम ककरहियां में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

16 फरवरी को अंग्रेजी विभाग के अभिगृहित ग्राम ककरहियां में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र एवं सहयोगी मृत्युजंय यादव की मद्द से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 163 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर आयोजन में विभाग के छात्र ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, रजनीश, नीलेश, आदर्श, आश्रिती, स्मिता एवं वर्षा सहानी ने विशेष सहयोग किया।

एक दिवसीय शिविर

20 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्री गोरखनाथ) के संयुक्त तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से अभिगृहित गांव तक संक्रमक बिमारियों से सम्बन्धित जनजागरण रैली निकाली गई। इस रैली में स्वयंसेवकों/ स्वयंसेविकाओं ने बैनर, तख्ती, पोस्टर एव विभिन्न नारों के माध्यम से ग्रामवासियों को संक्रामक बिमारियों का स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावो के प्रति जागरूक किया एवं इन बिमारियों से बचने के उपाय के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर शिविरार्थियों ने घर–घर जागर नाली, सड़क एवं जल–जमाव की समस्या को दूर करने के लिए जनप्रतिनिधियों से सीधे तौर पर बात की एवं उसे जल्द ठीक करने के लिए आग्रह किया। शिविरार्थियों ने सड़कों, नाली एवं मंदिर के आस–पास साफ–सफाई के प्रति ग्रामवासियों को साफ–सफाई के महत्व को स्वास्थ्य से सम्बन्धित करके समझाया। तृतीय एक दिवसीय शिविर के बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि स्वच्छता से हम न सिर्फ खुद को बल्कि अन्य लोगों को प्रेरित करके गम्भीर बिमारियों से बच सकते हैं। उचित पोषण से शरीर की प्रतिरोधक सकता को सशक्त करके बिमारियों से बचा जा सकता है क्योंकि स्वथ्य शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। इसके पूर्व शिविरार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत, भजन, गीत, लोकगीत एवं कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक **सौरभ कुमार** ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** एवं **श्री बृजभूषण लाल** उपस्थित रहे।

ग्राम छोटी रेतवहिया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

17 फरवरी को प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम छोटी रेतवहियां में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र एवं उनकी टीम द्वारा ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं रोगियों को निःशुल्क दवा व चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। शिविर को सफल बनाने में छात्र दीपक, अभय राज वर्मा, विकास चौधरी, कमलेश सहानी ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान गांव के कुल 186 लोगों का स्वस्थ्य परीक्षाण किया गया और 182 लोगों को निःशुल्क औषधि वितरित किया गया।

ग्राम बड़ी रेतवहिया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

24 फरवरी ग्राम बड़ी रेतवहिया में हिन्दी विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ. मिश्र द्वारा रोगियों को निःशुल्क दवा तथा चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य शिविर में 180 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा निःशुल्क दवा वितरित किया गया।

शिक्षा

शिक्षा

महाविद्यालय अपनी महत्वाकांक्षी 'मन से मंझरिया' मिशन के तहत विगत वर्षों से निरन्तर शिक्षा की ज्ञान ज्योति से ग्रामवासियों के जीवन को प्रज्जवलित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना के अन्तर्गत ग्राम मंझरियां में भीमराव अम्बेडकर, मां सीता, मां सरस्वती, वीर अभिमन्यु, मां कात्यायनी रानी पद्मिनी रानी लक्ष्मीबाई एवं स्वामी विवेकानन्द जैसे 8 शिक्षण केन्द्र बी.एड. द्वितीय वर्ष के माध्यम से संचालित कर ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं को शिक्षित कर रहा है। इस सत्र में विभिन्न शिक्षण केन्द्र पर शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी एवं महिलाएं की संख्या अग्रलिखित है।

शिक्षण केन्द्र से शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों एवं महिलाओं की संख्या–

रानी पद्मिनी शिक्षण केन्द्र	45
स्वामी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र	53
मां सरस्वती	32
भीमराव शिक्षण केन्द्र	46
वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र	32
रानी लक्ष्मी बाई	30
मां सीता शिक्षण केन्द्र	32
मां कात्यायनी शिक्षण केन्द्र	28

न्यू एजूकेशन पॉलिसी रिफलेक्टइड इन न्यू इंडिया विषय पर भाषण प्रतियोगिता –

23 नवम्बर को नये भारत की नई शिक्षा नीति विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें कादम्बरी बी.एस–सी. भाग दो की प्रथम, सुहानी सिंह, बी.एस–सी. भाग दो को द्वितीय तथा सुहानी सिंह बी.एस–सी. द्वितीय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन उन्नत भारत अभियान प्रभारी कविता मन्ध्यान ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, श्री नन्दन शर्मा एवं डॉ. नेहा कौशिक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'पढ़े जनपद–बढ़े जनपद' कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित **'पढ़े जनपद–बढ़े जनपद'** कार्यक्रम के अंतर्गत 06 अप्रैल, 2021 को प्रदेश भर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने पुस्तकों का वाचन कर विभिन्न महापुरूषों की जीवनी सम्बधी जानकारी को हासिल किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा की जब तक समाज के सभी लोग पढ़ेंगे, नही तब तक हम लोग न ही परिवार को न ही समाज को और न ही जनपद को आगे बढ़ा सकते है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविका उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी साधना सिंह ने किया तथा अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की।

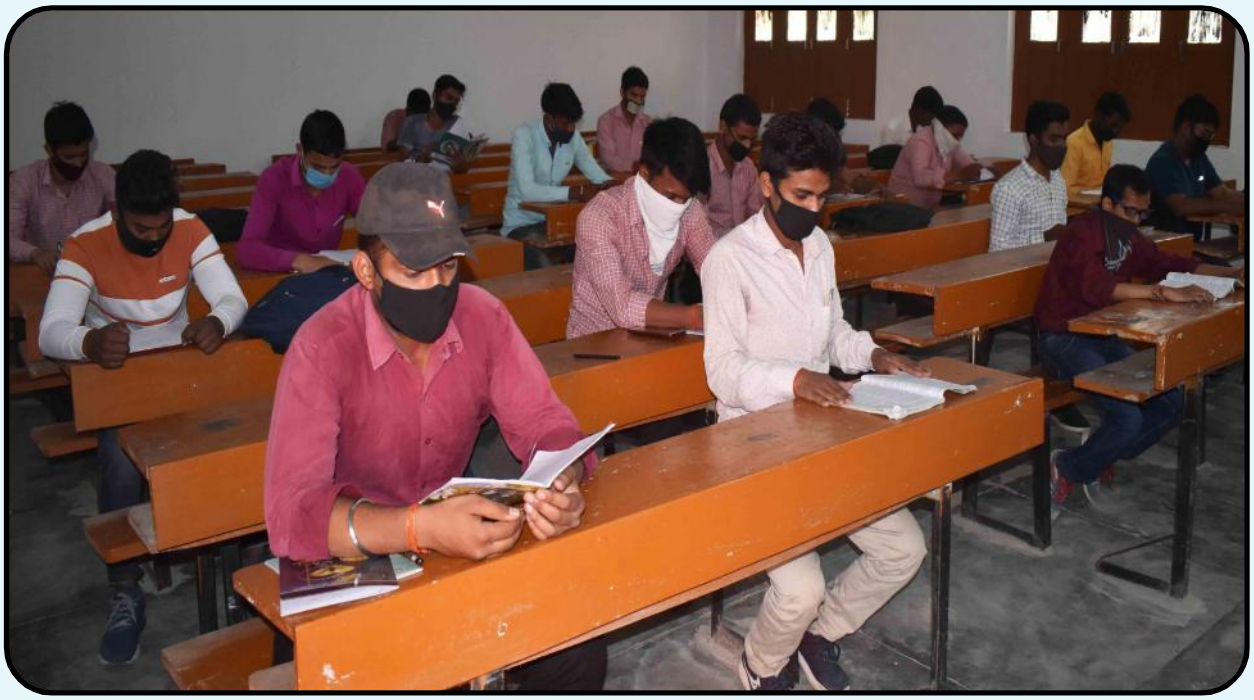

विश्व साक्षरता दिवस

08 सितम्बर, 2021 विश्व में शिक्षा के महत्व को दर्शाने और समाज में व्यक्त को निरक्षरता को समाप्त करने के संकल्प के साथ 08 सितम्बर, 2022 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य **डॉ. अनुभा श्रीवास्तव** ने कहा कि बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में उन्नत मस्तिष्क और प्रखर मेधा ही राष्ट्र की पहचान और आधार है। शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ है। किसी भी देश की प्रगति उनके नागरिक की शिक्षा कि स्तर पर निर्भर करती है। साक्षर नही शिक्षित होना भारत की आवश्यकता है। दुनिया के अनेक देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व के शक्तिशाली तथा सामर्थ्यवान देशों में शुमार हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं समृद्ध समाज के निर्माण मे योगदान करना है। अब यह जिम्मेदारी विशेष रूप से आज के युवा पीढ़ी पर है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृजभूषण लाल** ने किया।

जन-जागरूकता

जन जागरण रैली

11 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में कोरोन टीकाकरण के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से अभिगृहीत ग्राम हसनगंज में जन–जागरूकता रैली निकाली गयी। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तथा स्वयसेविकाओं ने कोरोना काल की इस विषम परिस्थिति में भी आगे बढ़कर समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। कोरोना प्रोटोकाल का पूर्णतः पालन करते हुए स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को शारीरिक दूरी, मास्क का निरंतर प्रयोग, सेनेटाइजर का उपयोग एवं रोग – प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों पर जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि दिनांक 11 अप्रैल से आगामी 14 अप्रैल तक केन्द्र सरकार ने 'टीका उत्सव' कार्यक्रम मनाने का निर्णय लिया है। महात्मा ज्योतिबा फूले की जयन्ती से लेकर साहब भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती तक चलने वाले इस उत्सव के अन्तर्गत 45वर्ष की उम्र से अधिक आयु वाले लोग अपने नजदीकी टीका केन्द्र अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर अनिवार्य टीकाकरण कराएँ। इसके अतिरिक्त इसमें सबसे ज्यादा आवश्यक है कि लोग सतर्क रहें। दवाई के साथ–साथ कड़ाई भी जरूरी है। हम स्वयं भी कोरोना के समस्त नियमों को मानें और दूसरो से भी इस हेतु आग्रह करें, तभी कोरोना के विरूद्ध पूर्ण विजय सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर सभी स्वंयसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने 10–10 की संख्या वाली टोलियों के माध्यम से घर–घर जाकर ग्रामवासियों को कोविड बीमारी के कारण एवं उसके रोकथाम के उपाय तथा बचाव बताते हुए उन्हें सचेत एवं जागरूक किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम

05 जून, 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर **कोविड–19 प्रोटोकाल** का पूर्णतः पालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के उप–प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने आम के पौधे को रोप कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पौधरोपण के अंतर्गत अशोक, आम, अनार, नीम, पीपल, अर्जुन आदि के पौधे लगाये गये। पौधरोपण करने के उपरान्त महाविद्यालय के उप–प्राचार्य श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। धरती को यदि बचाना है तो हमें पर्यावरण पर ध्यान रखना होगा। पेड़ लगाने पड़ेंगे। पानी की एक–एक बूंद बचानी होगी। नदियों को स्वच्छ करना होगा और अपने आस–पास स्वच्छता रखनी होगी। प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। यह सम्पूर्ण मानव समाज सहित सभी जीवों एवं वनस्पतियों के लिए कल्याणकारी है। वर्तमान कोरोना काल के परिपेक्ष्य में आक्सीजन की कमी एवं उसके कारण होने वाली मौतों को हम सभी ने देखा है तथा मानव जीवन के लिए आक्सीजन के महत्व को समझा है। भविष्य में वृक्षों के कमी के कारण आक्सीजन की इस प्रकार की दिक्कत न हों, इस हेतु भी बड़ी संख्या में पेड़ लगाना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. रामसहाय, डॉ. अभय श्रीवास्तव, विनय कुमार सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रताप, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री बृजभूषण लाल आदि शिक्षकों सहित कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने भी वृक्षारोपण किया।

वृक्षारोपण
विश्व
पर्यावरण दिवस
05 जून 2021

वृक्षारोपण
विश्व
पर्यावरण दिवस
05 जून 2021

विश्व
पर्यावरण दिवस
05 जून 2021
राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर

विशिष्ट व्याख्यान

22 जुलाई, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में मानये जा रहे **'भू–जल संरक्षण सप्ताह'** के अवसर पर **'भू–जल संरक्षण'** विषय पर भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा विशेष जागरूकता व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान में **डॉ. अभिषेक सिंह** ने राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भू–जल संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साथ ही वर्तमान में जल संकट के कारण भू–जल प्रबंधन के अन्तर्गत वर्षा जल संरक्षण एवं भू–जल कृत्रिम पुनर्भरण, उसकी आवश्यकता एवं लाभ, पुरातन काल की वर्षा जल संचयन की विधियाँ एवं भारत के विभिन्न प्रदेशों में प्रचलित जल संरक्षण की प्रणालियों पर भी प्रकाश डाला।

इस दौरान कार्यक्रम का संचालन रक्षा अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाईयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं सहित महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्व ओजोन संरक्षरण दिवस

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मनाने का उद्देश्य स्वयंसेवकों में ओजोन संरक्षण के प्रति जागरूकता का भाव पैदा करना है। 16 सितम्बर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में

'विश्व ओजोन संरक्षण दिवस' के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव** ने अपने उद्बोधन में कहा कि **"भारतीय जीवन पद्धति के मूलतत्व ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय है।"** पर्यावरण में क्षरण मनुष्य के कर्मों का ही फल है। वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद और उपयोगवादी जीवन शैली ने जिस प्रकार से अन्धाधुन्ध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणाम स्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन के हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक संतुलन में बिखराव आया है। मनुष्य कभी भी प्रकृति पर न तो विजय प्राप्त कर सकता है न तो उसे विखण्डित कर सकता है और न ही उसके मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह से समझ सकता है। तमाम अनवेंषणों और अनुसंधानों के माध्यम से प्राकृतिक नियमों के विपरीत आचारण एवं व्यवहार के कारण ही आज विश्व इस महासंकट को झेल रहा है। उसी पर्यावरणीय संकट में एक पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहे जाने वाला ओजोन परत का विखण्डन होना भी है। अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा श्री संजय जायसवाल ने कहा कि ओजोन परत की विरलता से न केवल तापमान में वृद्धि हो रही है, बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण भी है इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव–भू–जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भू क्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समय में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वही दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतिया बिन्द, चमड़ियों में झुरी पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट–फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। समय रहते इसको समझने और ठीक करने की अत्यन्त आवश्यकता है, वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहन करने को अक्षम होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी, स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रही।

दिनांक
16-09-2021
विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
शोध - व्याख्यान प्रतियोगिता
16 सितम्बर 2021

बी.एड विभाग
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूस

दिनांक
16-09-2021
विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
शोध - व्याख्यान प्रतियोगिता
16 सितम्बर 2021

भाषण प्रतियोगिता

21 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आजाद हिन्द फौज के स्थापना दिवस के अवसर पर ''भारतीय स्वतंत्रता संग्राम'' विषय पर एक ''पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं में क्रमशः प्रथम स्थान **निक्की शर्मा**, द्वितीय स्थान **अंकिता निषाद** एवं तृतीय स्थान **अभिजीत गौड़** ने प्राप्त किया एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष से स्वयंसेवकों में से क्रमशः प्रथम स्थान **खुशबू प्रजापति**, द्वितीय स्थान दिलीप कुमार एवं तृतीय स्थान **सुधा** ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में **डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. नन्दन शर्मा, सुश्री श्वेता एवं श्री सिद्धार्थ शुक्ल** रहे। प्रतियोगिता का संयोजन **कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह** ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

16 नवम्बर, 2021 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय **सामाजिक समरसता एवं संविधान** था। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर **श्री विनय कुमार सिंह** ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संविधान हमारा मार्ग दर्शक है। स्वयंसेवकों को संविधान के अनुरूप ही अपने व्यक्तित्व निर्माण करना चाहिए। राष्ट्र निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का होता है। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान पर **ज्ञानेन्द्र पाण्डेय** बी.ए. भाग दो, द्वितीय स्थान पर **राहुल यादव** बी.ए. भाग तीन, तृतीय स्थान **रितेश सिंह** बी.काम. भाग दो एवं ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल के रूप में श्री विनय कुमार सिंह, **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** उपस्थित रहे।

जनजागरण रैली

04 दिसम्बर 2021 को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय खेल, युवा, सूचना और प्रसारण मंत्री **श्री अनुराग ठाकुर** उपस्थित रहे। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाओं द्वारा विविध महत्वपूर्ण विषयों यथा **चौरी–चौरा शताब्दी वर्ष, मिशन मंझरिया उन्नत भारत अभियान** आदि को उकेरने वाली मनमोहक व महत्वपूर्ण झांकिया निकाली गई, जो शहर वासियों को आकृष्ट कर रहीं थी। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ ने की।

NCC
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसम्बर, 2021 को हाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **''राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस''** के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य **डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर** ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण व्यूरो द्वारा प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस लोगों को ऊर्जा के महत्व के साथ–साथ उसके बचत एवं ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूक करने का माध्यम है। ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ है ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग कम करके प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करना जीवाश्म ईधन, कच्च तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस आदि दैनिक जीवन में उपयोगी ऊर्जा के प्राकृतिक संसाधन है, जिनकी निरन्तर बढ़ती मांग प्राकृतिक संसाधनों के समाप्ति का कारण भी है। अतः ऊर्जा संरक्षण ही एक ऐसा रास्ता है जो ऊर्जा के गैर नवीकृत साधनों के स्थान पर नवीकृत साधनों को प्रतिस्थापित करता है। हम सभी द्वारा जीवाश्म उत्पादित ऊर्जा का उपयोग कम करना ही इस दिवस का लक्ष्य है। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

एक दिवसीय शिविर

21 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **प्रथम एक दिवसीय शिविर** का आयोजन अभिग्रहीत ग्राम–**हसनगंज़** में आयोजित किया गया। शिविर में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ इकाई के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने गांव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभों के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने गांव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया। इस एक दिवसीय शिविर के दौरान एक बौद्धिक गोष्ठी का भी आयोजन किया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी को साफ–सफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए और इसके लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करते रहना चाहिए। श्रमदान करने में कभी भी शर्म व संकोच नहीं करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि **श्री विनय कुमार सिंह** ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार के प्रति सभी लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। यह कार्य स्वयंसेवक बखूबी कर सकते है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को सैद्धान्तिक व व्यावहारिक पक्षों को अपने जीवन मे आत्मसात करने का तथा सामुदायिक सेवा भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी **श्री बृज भूषण लाल** ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाइयों के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

सप्तदिवसीय कार्यशाला

27 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालयके रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन के एक वर्षीय प्रमाण–पत्र पाठयक्रम कार्यक्रम के अन्तर्गत **सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला** का उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला आपदा विशेषज्ञ **श्री गौतम गुप्ता** ने बताया कि वर्तमान समय में प्राकृतिक एवं मानवीकृत आपदाएं बढ़ती ही जा रही है, जिससे निपटना आज एक वैश्विक चुनौती है। उचित प्रशिक्षण एवं प्रबंधन से इन आपदाओं को कम किया जा सकता है। राष्ट्रीय एंव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेकों सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाएं इस क्षेत्र में कार्य कर रहीं है। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी आपदाओं से सम्बन्धित अनेकों नियम एवं अधिनियम बनाये है, जिन्हें क्रियान्वित करने के लिये **एन.डी.आर.एफ** और **एस.डी.आर.एफ** जैसी संस्थाएं भी पूरे ताकत के साथ अपना योगदान दे रहीं हैं। इस सप्तदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के अन्तर्गत श्री गौतम गुप्ता ने सातो दिनों तक चलने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूप रेखा भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप **श्री नीतीश शुक्ला** ने विद्यार्थियों को बनाया कि आपद प्रबंधन अधिनियम 2005 के अन्तर्गत विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिये सरकार एवं जनता को निर्देश दिया गया है। उन्होंने आपदाओं के विभिन्न रूपों और उनकी भयावहता पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने दोनों अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम के सफलता की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा संचालित
आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
के अन्तर्गत आयोजित
सप्त दिवसीय आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यशाला
उद्घाटन

आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
सप्त दिवसीय आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यशाला
आयोजक
उद्घाटन

निबन्ध प्रतियोगिता

30 दिसम्बर, 2021 को महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना** द्वारा छात्रों में लेखन कला विकसित करने के उद्देश्य से **'इम्पारटेंस ऑफ वोटिंग इन इण्डिया'** विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए अंग्रेजी विभाग प्रभारी कविता मंध्यान ने कहा कि निबन्ध, लेखन व्यक्तित्व को प्रकाशित करने वाली ललित गद्य रचना है। निबन्ध का रूप साहित्य की अन्य विद्याओं की अपेक्षा इतना स्वतन्त्र है कि उसकी सटीक परिभाषा करना अत्यन्त कठिन है।

निबन्ध एक ऐसी कलाकृति है जिसके नियम लेखक द्वारा ही विकसित होते है। प्रतियोगिता में कुल 62 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में **डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, श्री राम चरित्र, श्रीनिवास सिंह** ने अपनी अपनी भूमिका का निर्वहन किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की **महिमा यादव** को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष के **संगम कुमार** को द्वितीय, बी. ए. प्रथम वर्ष की **शीतल निषाद** को तृतीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के **आशुतोष कुमार सिंह** एवं बी.ए द्वितीय वर्ष की **प्रिया सिंह** ने संयुक्त रूप से चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने निणार्यक मण्डल के प्रति आभार ज्ञापित किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

22 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत–भारती पखवारा के अर्न्तगत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **'गंगा निर्मलता एवं जल संरक्षण'** कार्यक्रम के अर्न्तगत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वनिर्मित पोस्टर से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संकट को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में कुल 54 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान **जसवन्त चौहान** (बी.ए. भाग एक) द्वितीय स्थान **दीपक विश्वकर्मा** (बी.ए. भाग एक) तृतीय स्थान **कमलेश साहनी** (बी.ए. भाग तीन) एवं **सांत्वना** स्थान **चन्द्रकला सिंह** (बी.ए. भाग एक) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में **डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र,** उपस्थित रहें। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभ कामना देते हुए कार्यक्रम संचालन एवं आभार ज्ञापित किया।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह

23 जनवरी, 2022 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत भारती पखवाड़ा के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 125 वीं जयंती के अवसर पर **भारत का स्वतंत्रता संग्राम** एवं **नेताजी सुभाष चंद्र बोस** विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के वरिष्ठ आचार्य **प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह** ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि **तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में यह सिर्फ एक नारा ही नहीं था, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के मुंह से निकले हुए ये शब्द देश के आजादी के लिए समर्पित युवाओं की नसों में स्वतंत्रता की ज्वाला भर देने वाला एक स्वर तरंग था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी थे। नेताजी माँ भारती के प्रति अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के क्षितिज पर एक चमकते हुए सितारे हैं। उन्होंने सुख सुविधाओं से संपन्न अपना संपूर्ण जीवन त्याग कर अंग्रेजों एवं अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जो चुनौती प्रस्तुत की, वह आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। वास्तव में बाबू सुभाष एक राष्ट्र नायक थे, जननायक थे। उन्होंने आगे कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के ऐसे महानायक थे, जिनके जीवन प्रदीप्त से आज भी संपूर्ण भारतवर्ष आलोकित हो रहा है। देश की युवा पीढ़ी को चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य ऐसे ही महापुरुषों से प्राप्त करना चाहिए। भारत माता की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने अपना सबकुछ समर्पित करते हुए ब्रिटिश सत्ता के अत्याचारपूर्ण एवं बर्बर शासन की चूलें हिला दी और भारत को अंग्रेजी आधिपत्य से स्वतंत्र कराने

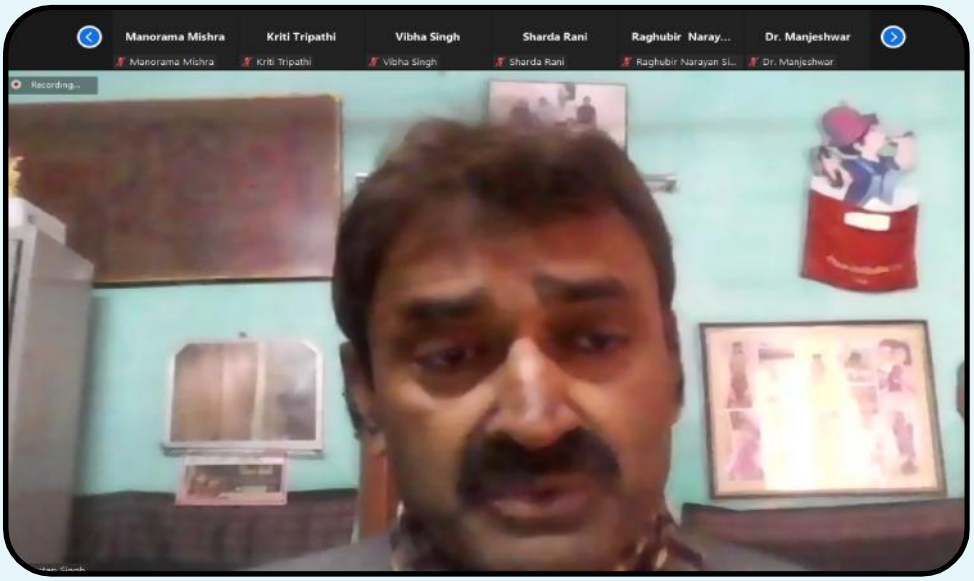

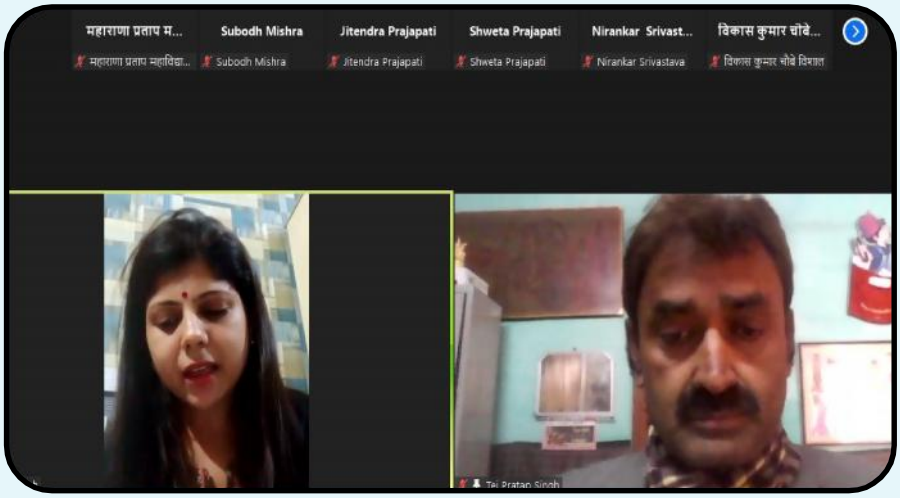

का युगांतकारी कार्य किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस हमेशा से ही युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहे हैं, और आगे भी रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेंद्र मोदी** ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को **पराक्रम दिवस** के रूप में मनाने की घोषणा भी की है। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि राष्ट्र के स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने व्यक्तिगत सुखों एवं सुविधाओं की असंख्य आहुतियां देने वाले ऐसे राष्ट्र नायकों को देश सदैव स्मरण करता रहेगा। हमारी वर्तमान एवं आने वाली युवा पीढ़ियों का यह दायित्व होना चाहिए कि ऐसे अमर शहीदों के सपनों के भारत के निर्माण में अपना शत प्रतिशत योगदान सुनिश्चित करें। साथ ही साथ देश की शिक्षण संस्थाओं का भी यह धर्म होना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों को ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन चरित्र एवं कृतित्व से परिचित कराती रहें। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन बी.एड्. विभाग की प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने किया। इस ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन जूम ऐप पर किया गया जहां महाविद्यालय के अधिकांश शिक्षकों ने ऑनलाइन अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त व्याख्यान का प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज एवं यूट्यूब चैनल पर भी किया गया जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं सामान्य श्रोताओं ने व्याख्यान देखा एवं सुना।

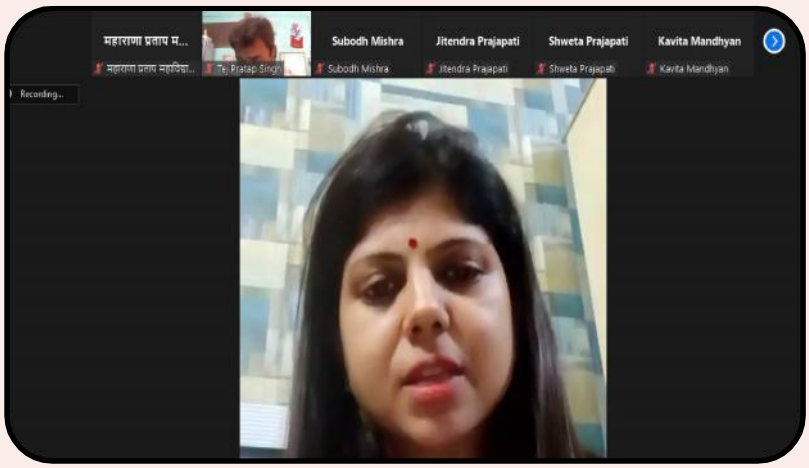

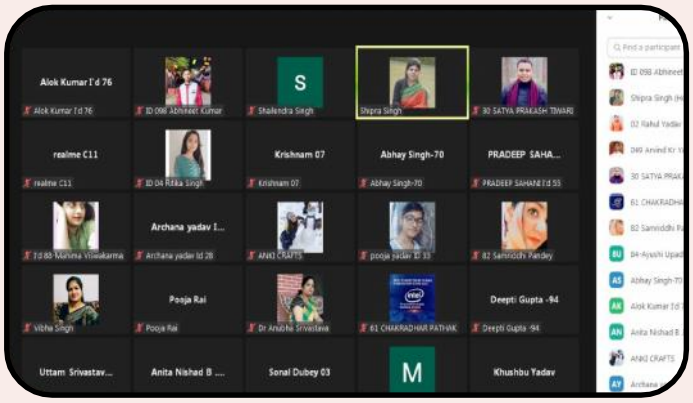

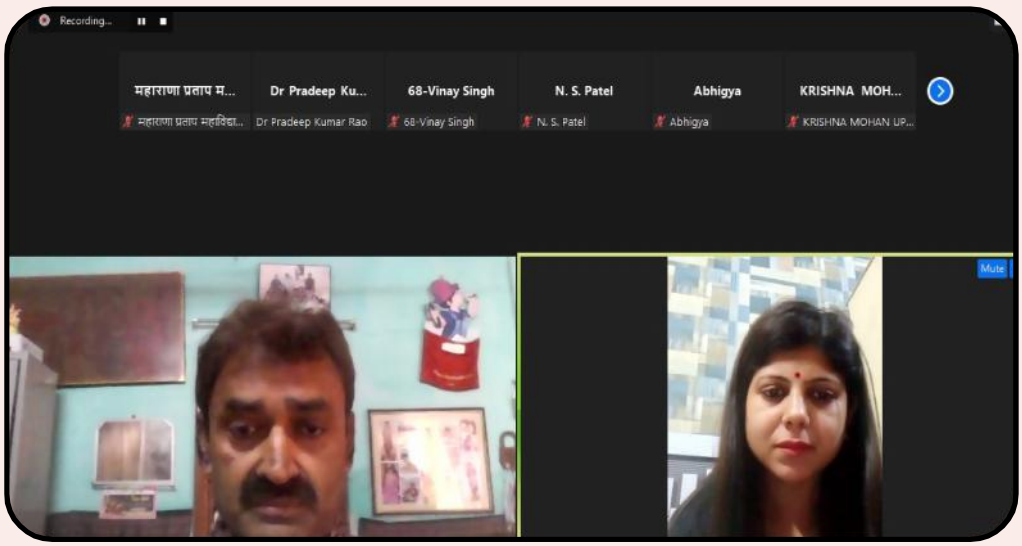

मतदाता जागरूकता अभियान

24 फरवरी, 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। व्याख्यान में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय** के विधि विभाग के सहायक आचार्य **डॉ0 शैलेष सिंह** ने कहा कि मतदान हम सबका अधिकार है। हम सबको अपने इस अधिकार का प्रयोग एक मजबूत लोंकतंत्र स्थापित करने के उद्देश्य से करना चाहिए। एक मजबूत लोकतंत्र किसी भी राष्ट्र के सामर्थ्य एवं शक्ति को दर्शाता है। यदि हम सबको भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलानी है, तो एक मजबूत लोकतंत्र की स्थापना के लिए मतदान करना हम सबकी नैतिक जवाबदेही है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय** के **राजनीति विज्ञान विभाग** के सहायक आचार्य **डॉ महेन्द्र कुमार सिंह** नें स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जागरूक मतदाता देश के जागरूक नागरिक होते हैं, और किसी देश के नागरिकों की जागरूकता ही देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने का कार्य करती है। इतिहास इस बात का गवाह है कि जिस देश के नागरिक अपने सरकार के प्रति जागरूक नही रहें, उनकी पहचान मिट गई और विदेशियों ने उन पर अपना अधिकार कर लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप–प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने तथा संचालन **श्री बृजभूषण लाल** ने किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की प्रस्ताविकी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME
दिनांक - 24.02.2022
सेवा योजना

द्वितीय एक दिवसीय शिविर

06 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरु श्री गोरखनाथ) के संयुक्त तत्वावधान में अभिगृहित गांव हसनगंज में द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं द्वारा महाविद्यालय से अभिगृहित गांव तक यातायात जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न नारों, बैनर, तख्ती एवं पोस्टर के माध्यम से अभिगृहित गांव से सटे कस्बाई स्थानों पर साफ–सफाई की एवं लोगों

को यातायात के नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ.अभिषेक सिंह** ने कहा कि यातायात के नियम का पालन करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। आये दिन दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं। इसका कारण यातायात के नियमों के पालन के प्रति लोगों की उदासीनता है हम सबको हर हाल में यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। द्वितीय एक दिवसीय शिविर के अवसर पर सायंकालीन बौद्धिक सत्र एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान के सहायक आचार्य **श्री विनय कुमार सिंह** ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से जीवन में

स्वानुशासन को सीखता है। हमारे जीवन में अनुशासन का बड़ा महत्व है। यह कार्यक्रम समय प्रबन्धन, अभिव्यक्ति क्षमता को सुदृढ़ करके राष्ट्र सेवा के भाव को सामुदायिक सेवा से जोड़ता है। इसके पूर्व स्वयंसेविकाओं ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना बोधगीत आदि प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका **शिवानी मद्धेशिया** ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. अभिषेक सिंह** एवं **श्री बृज भूषण** लाल उपस्थित रहे।

किसान दिवस

23 दिसम्बर को हमारे अन्नदाता, भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ व भारत की समृद्धि के सूत्रधार किसनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से भारत के पूर्ण प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह की जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित किसान दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभी में समाज शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिसर की ओर हार्दिक श्रद्धाजंलि अर्पित है।

नारी स्वालम्बन

नारी सशक्तिकरण

महाविद्यालय में स्थापित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से नारी–स्वावलम्बन की ओर 2011 में ही पहल कर दी गयी थी। नारी स्वावलम्बन की भावना को चरितार्थ करते हुए वर्ष भर ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षण पश्चात सर्वेश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों सम्मानित को प्रेरित एवं उत्साहवर्धन किया जाता है। स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करते हुए गांवों में एक अनूठी पहल प्रारम्भ की थी जो आज सफल भी हो रही है। जिसमें महिलाओं की रूचि जानकर उनके प्रशिक्षण का प्रबंध किया गया। उन्हें मिट्टी के दीयों को सजा विभिन्न प्रकार के बन्धनवार पायादान ऊनी मोजे व स्वेटर बुनने की कला को निखार कर उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को मंच प्रदान किया गया। जिससे उनके उत्पादों का उचित मूल्य को प्राप्त हुआ साथ ही उनमें आत्मविश्वास जगाकर भविष्य में उनकी आय का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। सरकार की मंशा हर–हाथ–रोजगार तथा 'वोकल फॉर लोकल' को भी बल देने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में महिलाओं में तकनीकी दक्षता को स्थापित करने एवं उनके संवर्धन हेतू एक अनूठी पहल करते हुए उन्नय भारत अभियान आशुतोष शिक्षा एंव सेवा संस्थान भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के संयुक्त तत्वावधान में छः दिवसीय एल.ई.डी. ग्राम लाइट प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उद्घाटन समारोह –

अपने–अपने क्षेत्र के सामाजिक सांस्कृतिक परम्पराओं का संरक्षण एवं समृद्धि शिक्षण संस्थाओं का धर्म है। आर्थिक स्वावलम्बन जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक सांस्कषतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है। श्री गोरक्षपीठ की संस्थाएं अपने इस उत्तरदायित्व का अत्यन्त संवेदनशीलता एवं सहजता के साथ निर्वहन करती है। इसी श्रेष्ठ परम्परा का उदाहरण है महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा चलाया जा रहा **मिशन मंझरिया** और उसी का विस्तार है **उन्नत भारत अभियान** के अन्तर्गत पाँच गावों की सामाजिक–सांस्कषतिक–आर्थिक उन्नति का अहर्निश प्रयत्न। आज का यह **"नारी स्वावलम्बन"** अभियान महाविद्यालय के गोद लिये गावों के विकासात्मक अभियान में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें आज महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर** के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एल.ई.डी. ग्राम लाइट विषयक 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि गोरखपुर के सांसद श्री रवि किशन शुक्ल ने कही। सांसद श्री रवि किशन शुक्ल ने आगे कहा कि मैं यह देखकर अचम्भित हूँ कि कोई कालेज धीरे–धीरे अपने आस–पास के गावों की उन्नति के लिए पूर्ण नियोजन के साथ अनवरत प्रयत्नशील है। जिस दिन पाँच गाँव की सभी महिलाओं को आर्थिक स्वावलम्बी

बनाने में यह कालेज पूर्णतः अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा, यह देश में एक अभिनव प्रयोग का उदाहरण होगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्‌बोधन देते हुए गोरखपुर परिक्षेत्र की अग्रणी सामाजिक कार्यकर्त्री **श्रीमती शीलम वाजपेयी** ने कहा कि नारी को शिक्षित और प्रशिक्षित करना आज के समाज की अपरिहार्यता है। स्त्री को स्वावलम्बी बनाने का अर्थ है, समाज को स्वावलम्बी और सशक्त बनाया। आज स्त्री हर क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाजोत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित कर रही है। स्वर्णिम और उन्नत भारत की यही वर्तमान तस्वीर है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक **श्री विवेक सिंह** ने कहा कि भारत प्रतिवर्ष लगभग 12 हजार करोड़ रूपये सिर्फ दीवाली की लाइट, लड़ी और झालर इत्यादि खरीदने में चीन को दे देता है। यदि यह धनराशि भारत से बाहर न जाए तो इससे 6 लाख से ज्यादा रोजगार का सृजन प्रतिवर्ष भारत में हो सकता है। इसके लिए आवश्यकता है सिर्फ सशक्त प्रयासों एवं नियोजित योजना की। इस उद्‌घाटन कार्यक्रम में **आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान** के सचिव **श्री विनोद सिंह, सिडबी** के प्रबन्धक **श्री कुमार अभय चन्द** सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएँ महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर के सभी स्वयंसेवक/कैडेट उपस्थित रहे। उद्‌घाटन सत्र के पश्चात महाविद्यालय के छात्रावास बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम में मुख्य प्रशिक्षक श्री विवेक सिंह द्वारा

ग्राम ककरहियाँ, मंझरियाँ, हसनगंज, छोटी रेतवहियाँ एवं बड़ी रेतवहियाँ की 32 महिलाओं को L.E.D. बल्ब एवं लड़ी बनाने का प्रशिक्षण दिया। इसी क्रम में आज महाविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा निर्धारित सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम को समझने एवं उसे इस सत्र में क्रियान्वित करने के उद्देश्य से एक शिक्षक कार्यशाला का भी आयोजन महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के आई. क्यू.ए.सी. के प्रभारी **श्री अभिषेक वर्मा** ने सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अन्तर्गत **प्रोग्राम, कोर्स, क्रेडिट, सेमेस्टर, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन पद्धति एस.जी.पी.ए. एवं सी.जी.पी.ए.** इत्यादि के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अभय श्रीवास्तव, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक सिंह, श्री नन्दन शर्मा, श्री चन्दन ठाकुर, श्रीमती शिप्रा सिंह, सुश्री शारदा रानी तथा सुबोध कुमार मिश्र ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यशाला का दूसरा दिन

अपने–अपने क्षेत्र के सामाजिक सांस्कषतिक परम्पराओं का संरक्षण एवं समषद्धि शिक्षण संस्थाओं का धर्म है। आर्थिक स्वावलम्बन जीवन जीने तथा किसी भी सामाजिक सांस्कषतिक विरासत को विकसित करते रहने की अनिवार्य शर्त है। श्री गोरक्षपीठ की संस्थाएं अपने इस उत्तरदायित्व का अत्यन्त संवेदनशीलता एवं सहजता के साथ निर्वहन करती है। इसी श्रेष्ठ परम्परा का उदाहरण है महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा चलाया जा रहा **मिशन मंझरिया** और उसी का विस्तार है **उन्नत भारत अभियान** के अन्तर्गत पाँच गावों की सामाजिक –सांस्कृतिक–आर्थिक उन्नति का अहर्निश प्रयत्न। इसी प्रयत्न में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान एवं भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एल.ई.डी. ग्राम लाइट विषयक छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज दूसरा दिन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मिशन मंझरिया और उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत शामिल किये गये पाँच गावों की लगभग 3 दर्जन से अधिक महिलायें प्रशिक्षाण प्राप्त कर रही है। यह पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय के छात्रावास बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम में संचालित हो रहा है। यह कार्यक्रम, कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती कविता मंध्यान के कुशल प्रबन्धन में किया जा रहा है।

कार्यशाला का तीसरा दिन

आशुतोश शिक्षा एवं संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अंतर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय **एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना** विशयक कार्यषाला के आज **तीसरे दिन** ग्राम मंझरियाँ, छोटी रेतवहियाँ, ककरहियाँ, हसनगंज और बड़ी रेतवहिया कि 32 महिलाओं ने **अंगूरा लाइट, झालर, झूमर निर्माण** एवं **पुराने खराब एल. ई.डी. बल्ब की मरम्मत** सम्बन्धी प्रषिक्षण प्राप्त किया। मुख्य प्रषिक्षक **श्री राम गोपाल सिंह** एवं **श्री अमित साहनी** ने ग्रामीण महिलाओं को प्रषिक्षण देते हुए बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रषिक्षण में षामिल महिलाएं आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में तेजी से आगे की ओर बढ़ेगी और देष तथा समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान सुनिष्चित कर सकेंगी। इसी क्रम में इस प्रषिक्षण कार्यषाला के सह संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने कहा कि प्रत्येक षिक्षण संस्था का यह नैसर्गिक दायित्व होना ही चाहिए कि वह अपने अंचल में स्थित जनसामान्य के कल्याण एवं आर्थिक–बौद्धिक उत्थान हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों/प्रषिक्षण षिविरों का आयोजन करे तथा देष–समाज की तरक्की में अपनी सषक्त भूमिका निभाए।

कार्यशाला का चौथा दिन

आषुतोश षिक्षा एवं संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अंतर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय **एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना** विशयक कार्यषाला के आज **चौथे दिन** ग्राम मंझरियाँ, छोटी रेतवहियाँ, ककरहियाँ, हसनगंज और बड़ी रेतवहिया कि 32 महिलाओं ने **कन्सील लाइट, एल.ई.डी. बल्ब, डोर बेल निर्माण** एवं **पुराने खराब एल.ई.डी. बल्ब की मरम्मत** सम्बन्धी प्रषिक्षण प्राप्त किया। मुख्य प्रषिक्षक **श्री राम गोपाल सिंह** एवं **श्री अमित साहनी** ने ग्रामीण महिलाओं को प्रषिक्षण देते हुए बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत ग्रामीण पष्ठभूमि की ये महिलाएं स्वरोजगार एवं स्वावलंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी तथा अपने घर के साथ–साथ समाज और देश की आर्थिक प्रगति में सहायक होगी। उन्हें अपना रोजगार घर बैठे मिलेगा जिनसे रोजगार के क्षेत्र में पलायन की प्रक्रिया अवरुद्ध होगी। इसी क्रम में इस प्रषिक्षण कार्यषाला के सह संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने दोनों प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक शिक्षक भी उपस्थित रहे। इससे पूर्व आज महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में देश के प्रथम **सी.डी.एस. जनरल विपिन रावत निधन** पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में महाविद्यालय के बी.एड. विभाग की प्रभारी **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने जनरल विपिन रावत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रार्थना सभा में उपस्थित समस्त शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण ने दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें मौन श्रद्धांजलि दी।

कार्यशाला का पांचवां दिन

आषुतोश षिक्षा एवं संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान योजना के अंतर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित 06 दिवसीय **एल.ई.डी. ग्राम लाइट योजना** विशयक कार्यषाला के आज पांचवें **दिन** ग्राम मंझरियाँ, छोटी रेतवहियाँ, ककरहियाँ, हसनगंज और बड़ी रेतवहिया कि 30 महिलाओं ने **झुमर** एवं **ए.सी.डी.सी. बल्ब निर्माण** सम्बन्धी प्रषिक्षण प्राप्त किया। मुख्य प्रषिक्षक **श्री राम गोपाल सिंह** एवं **श्री अमित साहनी** ने ग्रामीण महिलाओं को प्रषिक्षण देते हुए बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत ग्रामीण पष्ठभूमि की ये महिलाएं स्वरोजगार एवं स्वावलंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी तथा अपने घर के साथ–साथ समाज और देश की आर्थिक प्रगति में सहायक होगी। उन्हें अपना रोजगार घर बैठे मिलेगा जिनसे रोजगार के क्षेत्र में पलायन की प्रक्रिया अवरुद्ध होगी। इसी क्रम में इस प्रषिक्षण कार्यषाला के सह संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने दोनों प्रशिक्षकों का आभार ज्ञापित किया।

कार्यशाला का पांचवां दिन

आत्मनिर्भर एवं नारी सशक्तिकरण आज के प्रगतिशील समाज की अनिवार्यता भी है और अपरिहार्यता भी। आर्थिक स्वालम्बन निश्चित रूप से सामाजिक–सांस्कृतिक विरासत को स्थापित करने का मजबूत आधार है। देश एवं समाज को ज्ञान एवं शिक्षा के माध्यम से उजले भविष्य की ओर अग्रेसित करना प्रत्येक शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थानों का नैसर्गिक उत्तरदायित्व होता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए सिद्ध गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 में देश और समाज को शैक्षिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी, वो आज एक विशाल वट–वृक्ष की भांति अपनें स्थानीय आंचलिक क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सतत् प्रयत्नशील है। साथ ही साथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से सम्बद्ध समस्त शिक्षण–प्रशिक्षण संस्थाएं भी इस पुनीत अभियान में प्राण–प्रण से संलग्न है। महाविद्यालय मे इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशाला न सिर्फ आर्थिक निर्भरता को बढ़ावा देंगी, अपितु नारी स्वावलम्बन अभियान में मील का पत्थर भी साबित होगी। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **आशुतोष शिक्षा एवं सेवा संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)** तथा **महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर** के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **एल.ई.डी. ग्रामलाइट** विषय **6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला** के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष **श्रीमती अंजू चौधरी** नें कही। मा. मुख्य अतिथि ने आगे कहा कि विगत 6 दिनों से इस प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण ले रही महाविद्यालय के गोद

लिए हुए गांवो की महिलाएं निःसन्देह अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में आगे बढ़ी होगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि **श्रीमती शीलम वाजपेयी** ने कहा कि स्वावलम्बित

नारी ही आत्मनिर्भर और सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। नारी दुर्गा रूप के साथ–साथ लक्ष्मी स्वरूपा भी है, समाज की सम्पन्नता का दृढ़ आधार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के माननीय सदस्य श्री चौधरी प्रमोद कुमार ने कहा कि यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर अपने संस्थागत–सामाजिक दायित्वों के प्रति न सिर्फ निष्ठावान है, अपितु कर्मशील भी है। महाविद्यालय के ऐसे अभियान क्षेत्र के अन्य संस्थानो के लिए नज़ीर हैं। अन्य शैक्षिक संस्थनों को भी महाविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे ऐसे आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बन एंव जागरूकता सम्बन्धी कार्यक्रमों का अनुसरण करना चाहिए। सम्मिलित प्रयासों से ही उन्नत भारत

अभियान वास्तव में अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर इस प्रशिक्षण कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक **श्री विवेक सिंह** ने कहा कि जिन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था, कार्यशाला ने उन सभी उद्देश्यों का पूर्ण किया है। कार्यक्रम में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के प्रबन्धक **श्री कुमार अभय चन्द** ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** नें कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला का प्रतिवेदन

कार्यशाला के सह–संयोजक **श्री विनय कुमार सिंह** ने प्रस्तुत किया जबकि संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी, **श्रीमती शिप्रा सिंह** ने किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं द्वारा बनाए गए इलेक्ट्रानिक उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण–पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व आज महाविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा पारित सी.वी.सी.एस पाठ्यक्रम प्रारूप पर महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ शिक्षकों की एक कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में सी.बी.सी.एस पैटर्न के अन्तर्गत विद्यार्थी के पंजीकरण, अध्ययन अध्यापन, परीक्षा प्रारूप इत्यादि पर विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला ने सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

मिशन
शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

मिशन मंडूरिया

इन महिलाओं ने पाया प्रशिक्षण–

6 दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यशाला द्वारा गोद लिए गये निम्न गांवो की महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बड़ी रेतवहिया –

शान्ति देवी विश्वकर्मा, नीतू चौहान, शीला, कुमकुम देवी, संतोला देवी।

छोटी रेतवहिया –

सरस्वती देवी, विद्यावती देवी, खुशबू निषाद, रूकमिणी, रीता देवी, कुंती देवी, राजमती, करिश्मा गुप्ता, गुड्डी देवी।

मंझरियां –

गंगोत्री देवी, शांति देवी, गीता देवी, इशरावती देवी, गुजराती, उर्मिला देवी, आरती देवी, आरती देवी, आरती देवी, शीला देवी, प्रियंका देवी, सरोज देवी।

ककरहियां –

ललीता देवी, चन्दा देवी, सुचिता साहनी, लीलावतर, मंजू

भविष्य की योजना

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत भविष्य में महाविद्यालय की योजना

महाविद्यालय ने निकट भविष्य में उन्नत भारत अभियान में गोद लिए गांवों में महिला आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार के बढ़ावा देने का निश्चय किया है। मातृशक्ति हमारे देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें इस सच को स्वीकार करना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में नारी शक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

अगरबत्ती प्लांट

इस हेतू महाविद्यालय ने महिला–आत्मनिर्भरता उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण महिलाओं के रोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हुए अगरबत्ती प्लांट के कार्य योजना बनाई है जिसमें महिलाओं को प्रशिक्षित करने के पश्चात उनसे अगरबत्ती निर्मित कराया जायेगा जिससे उनकी आय का मार्ग प्रशस्त होगा। क्रेडिट उद्योगों की स्थापना के लिए सरकारी योजनाओं से पशिचित कराकर उन्हें लाभ देने में मदद करना महाविद्यालय के भविष्य में महत्वपूर्ण कदम होगें।

जैविक खेती को बढ़ावा

बाजार में जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए तथा किसानों की आय में बढ़ोत्तरी के उद्देश्य से कम लागत में उच्च गुणवत्तपूर्ण फसल प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

पशु पालन डेयरी प्रबन्धन, मछली पालन

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के आय वृद्धि के लिए सहयोग से पशु पालन, मछली पालन एवं डेयरी प्रबन्धन का प्रशिक्षण का आयोजन करना।

सरकारी योजनाओं की पूर्ण जानकारी देना

ग्रामवासियों तक सभी सरकारी योजना तथा विज्ञान की जानकारी पहुँचाना तथा पात्रों को योजना का लाभ पाने में हो रही कठिनाईयों का निवारण कर उन तक योजनाओं को पहुंचाकर ग्रामोत्थाम में सहयोग कर वास्तव में उन्नत भारत बनाने में अपनी सहभागिता को सुनिश्चित करना।

भारत सरकार की महात्वाकांक्षी योजना उन्नत भारत अभियान को महाविद्यालय ने पूर्ण मनोयोग से वर्ष भर संचालित किया एवं अधिग्रहित ग्राम में मुख्यतः शिक्षा, स्वास्थ्य, सहयोग स्वावलंबन और संवर्धन पंचसूच के माध्यम से मूर्त रूप प्रदान किया।

महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही अपने आराध्य के समक्ष जीवन के इस उद्देश्य

वह शक्ति हमें दो दयानिधे,
कर्तव्य मार्ग पर डट जाएं।
पर सेवा पर उपकार में हम,
निज जीवन सफल बना जाएं।

का निशदिन वंदन करते हुए कर्तव्य पथ पर अग्रसर है।

जंगल धूसड़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि में स्थापित महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक–कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन–पाठन के साथ–साथ जन–सरोकारों से सीधा–संवाद स्थापित किया। अपने स्थापना वर्ष में ही 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर महाविद्यालय द्वारा 'आदर्श ग्राम योजना' का स्वरूप निर्धारित किया गया। गाँव से शिक्षकों–विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग–एक गाँव' की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015–2017 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबंधक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गाँवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम सभा औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श ग्राम योजना को अनुभव–जन्य गति प्रदान किया।

गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2021–22 ई. की योजना बैठक में एक विभाग–एक गाँव' योजना को पूर्ववत् जारी रखते हुए, कोरोना महामारी के कारण कुछ विलंब से महाविद्यालय से सटे ग्राम 'मंझरिया' को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ–साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गाँव बनाने की दिशा में 'मिशन मंझरिया' प्रारंभ किया गया। इस मिशन मंझरिया अभियान को बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के निर्देशन में 27 सितम्बर 2021 से पुनः मिशन बनाकर प्रतिदिन अपराह्न 2 से 4 बजे तक कार्य प्रारम्भ किया। इस सत्र छात्राध्यापकों ने महापुरुषों के नाम पर शिक्षण केन्द्रों का नामकरण भी किया।

कुल आठ शिक्षण केन्द्र इस प्रकार हैं।

छात्राध्यापकों द्वारा अपने इस सेवा कार्य को 'मन से मंझरिया' नाम से संबोधित किया गया।

27 सितम्बर, 2021 ई. से छात्राध्यापकों का समूह मंझरिया ग्राम में विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर जाकर कोविड टीकाकरण सर्वे करने के साथ पठन–पाठन सर्वे के उपरान्त छात्राध्यापकों ने ज्ञान यश का कार्य प्रारंभ किया। कक्षा 01 से 10 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं विभिन्न केन्द्रों पर माँ और बच्चों के साथ–साथ पढ़ाने का कार्य गत वर्ष की भांति जारी किया गया। प्रत्येक माह के अंत में पढ़ाये गये विषयों का मासिक मूल्यांकन भी किया जाता रहा, और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया है।

04 नवंबर को दीपावली उत्सव भी इस मिशन का हिस्सा गत वर्ष की ही भांति बनाया गया। छात्राध्यापकों के साथ ग्रामीण महिलाएं एवं गाँव के नौनिहाल पूर्ण मनोयोग से दीया पेंटिंग एंव सजावट कार्य में हर्षोल्लास के साथ लग गए।

महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान, प्रार्थना, योगा आदि योजना की तर्ज पर प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का कार्य भी पूर्ववत् जारी रखा गया। प्रत्येक शनिवार आठों केन्द्रों पर शिक्षण कार्य स्थगित कर पहले अपने केन्द्र पर झाड़ू उठाकर छात्राध्यापक ग्रामीण महिलाएं एवं बच्चे साथ मिलकर सफाई करते, तत्पश्चात गायन नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा एक दूसरे का मनोरंजन करते सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक बाल दिवस एवं अन्य आयोजित समारोहों में दिखी।

पढ़ने–पढ़ाने के साथ–साथ छात्राध्यपकों द्वारा व्यक्तित्व विकास योजना का कार्य भी किया गया। जिसमें योग प्रशिक्षण, आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षण पाक कला प्रशिक्षण के माधयम से रचनात्मकता का विकास भी किया गया।

'मन से मंझरिया' मिशन में छात्राध्यापकों ने ग्रामवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यावरण जागरूकता रैली का भी आयोजन किया। वहीं महिलाओं एवं बच्चों को तकनीकि शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। साथ ही साथ सिलाई–कढ़ाई का हुनर भी छात्राध्यापकों द्वारा सिखाया गया।

मिशन उन्नत भारत के माध्यम से गाँव मंझरिया की महिलाओं को स्वावलम्बन एवं रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एल.ई.डी. बल्ब, झॉलर एवं अन्य छोट–बड़े इलेक्ट्रानिक सजावटी उत्पाद बनाने हेतु सात दिनों की कार्यशाला का आयोजन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया।

प्रतिष्ठित समाजसेवी श्रीमती शीलम वाजपेयी एवं बी.एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने सभी केन्द्रों पर भ्रमण कार्य कर स्वावलम्बन की दिशा में ग्रामीणों महिलाओं की जागरूक किया।

मिशन मंझरिया बी.एड्. विभाग की अद्वितीय उपलब्धि के रूप में निरंतर प्रगति पथ पर है। वर्तमान सत्र में इस मिशन को प्रारंभ से वर्तमान परिणति तक पहुंचाने वाले सेवाव्रती विद्यार्थी है– सत्यजीत, नितेश, अनीता, नीलम, अंजली, पूर्णिमा, प्रियंका कुमारी, ज्योति साहनी, हिमांशु कुमार, सिद्धि, सुनीधि, अश्वनी, अभिषेक, बबिता, सुनीता, रामआशीष, अवनीश, पूजा, ऋषभ, मनोज गुप्ता, शैलेश पासवान, संदीप यादव, ग्रामवासियों का परीक्षण करते स्वास्थ्य चिकित्सक सिमस आदिती, कृष्णा, संदीप, प्रकाश, विनोद, कृति पाण्डेय, रंजना, उमेश, प्रतीक, सत्यम, ज्योति सिंह, वंदना, प्रियंका, सुष्मिता, दयाशंकर, मनीष, तारकेश्वर, रामचन्दर, अभिषेक, गौतम, सूरज चौधरी।

मिशन मंझरिया अनवरत गति से चलता रहे, इस दृष्टि से बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को भी 5 मार्च से इस मिशन में जोड़ दिया है।

मिशन मंझरिया को नये विद्यार्थियों द्वारा अपनाकर सामाजिक सरोकार का शुभारंभ

मन से मंझरिया में अपने वरिष्ठ सहपाठियों के कार्यों को आगे बढ़ाने का दायित्व बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। 15 मार्च, 2021 से छात्राध्यापकों द्वारा स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवा के अन्तर्गत आयोजित कार्य में प्रतिदिन सहभागिता की जाने लगी। पूर्व तर्ज पर मंझरिया हर्षोल्लास के साथ चल पड़ा। नये छात्राध्यापकों द्वारा पूर्ण मनोयोग से मंझरिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति संतृप्त गाँव बनाने का मिशन प्रारम्भ हो गया।

मंझरिया प्रभारी :– सत्य प्रकाश तिवारी

विभिन्न आठ केन्द्रों के प्रभारी एवं सहयोगी छात्राध्यापक :–

1. सयाजीराव गायकवाड़ शिक्षक केन्द्र
   प्रभारी :– आलोक
   सहयोगी :– विनय सिंह, शाल्वी श्रीवास्तव, सुष्मिता पान्डेय, दिव्या पान्डेय
2. रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र
   प्रभारी :– अर्चना यादव
   सहयोगी :– अंकिता यादव, खुश्बू यादव
3. वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र
   प्रभारी :– ओमकार गुप्ता
   सहयोगी :– आयुषी उपाध्याय
4. माँ सीता शिक्षण केन्द्र
   प्रभारी :– समृद्धि पान्डेय
   सहयोगी :– उर्वशी श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश तिवारी
5. कात्यायनी शिक्षण केन्द्र
   प्रभारी :– विवेक कुमार
   सहयोगी :– अभय सिंह, आदित्य मिश्रा, अनिल कुमार
6. रानी पद्मिनी शिक्षण केन्द्र
   प्रभारी :– आदित्य तिवारी
   सहयोगी :– शिवांगी, अंकिता यादव
7. स्वामी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र
   प्रभारी :– सौरभ मिश्रा
   सहयोगी :– सोनल दूबे, रीतिक सिंह
8. माँ सरस्वती शिक्षण केन्द्र
   प्रभारी एवं सहयोगी :– शिवेन्द्र वर्मा